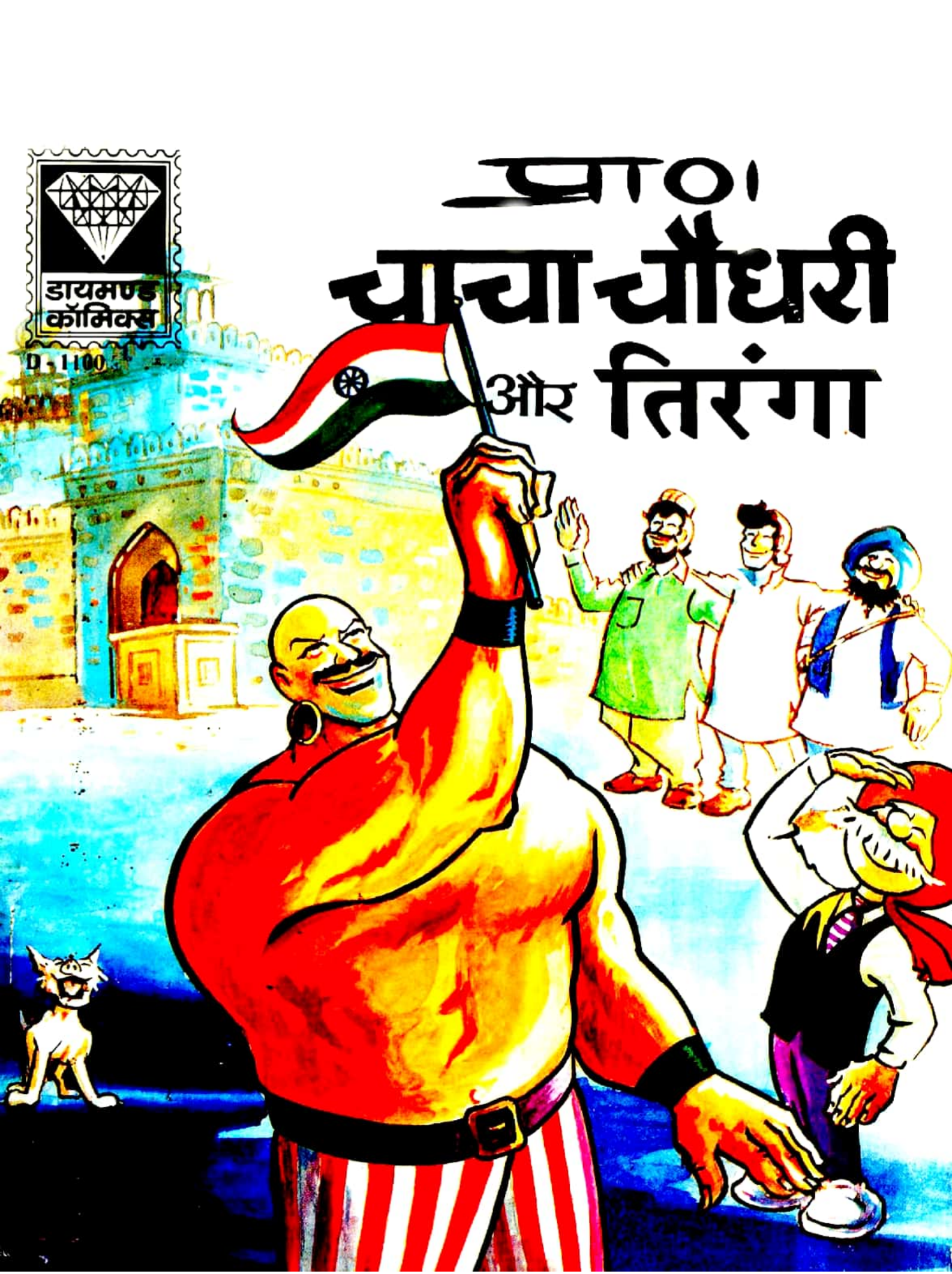

डायमण्ड कॉमिक्स
D-1100
प्राण
चाचा चौधरी
और तिरंगा

कार्टूनिस्ट प्राण का जन्म कसूर नामक कसबे में, जो अब पाकिस्तान में है, हुआ था। एम.ए. (राजनीति शास्त्र) और फाइन आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक मिलाप से शुरू हुआ।

उन दिनों सारे भारत में विदेशी कॉमिक्स छपती थीं। प्राण ने भारतीय पात्रों की रचना करके स्थानीय विषयों पर कॉमिक्स बनाना शुरू किया। उनके प्रमुख चरित्र हैं - चाचा चौधरी, साबू, श्रीमतीजी, पिंकी, बिल्लू और रमन।

लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स ने उनको 1995 में पीपुल ऑफ द ईयर अवार्ड से पुरस्कृत किया। उनकी चाचा चौधरी स्ट्रिप्स को इंटरनेशनल म्युज़ियम ऑफ कार्टून आर्ट, अमरीका में स्थायी रूप से रखा गया है। 1983 में स्वर्गीया प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकता पर बनी कॉमिक्स 'रमन-हम एक हैं' का विमोचन किया।

प्राण के चरित्रों की लोकप्रियता का रहस्य है कि ये सीधे सरल हास्य द्वारा पाठकों को भीतर तक गुदगुदा देते हैं।

प्रकाशक

TITLES CHACHA CHAUDHARY AND SABU AND THEIR CHARACTERS ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETORS PRAN'S FEATURES, A-84 NARAINA VIHAR, NEW DELHI-110028. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION COMICS. ANY SIMILARITY TO REAL HUMAN BEING OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.

अब्दुल ने तो कभी हमें पान भी नहीं खिलाया. भाभी ने सेवइयां खिला दीं.
कसर रह जाये तो मार खा लो.
हा! हा!!
अच्छा, अब चला जाये.


आज त्रिमूर्ति क्यों खुश है?
चाचाजी! आज हमारे साथी अब्दुल की बेटी का जन्मदिन है.
इसके अलावा कल भी जश्न मनाने का दिन होगा. जानते हो क्यों?

हां! कल 15 अगस्त है - स्वतन्त्रता दिवस.
कल तिरंगा लहराया जायेगा.
© PRAN'S FEATURES

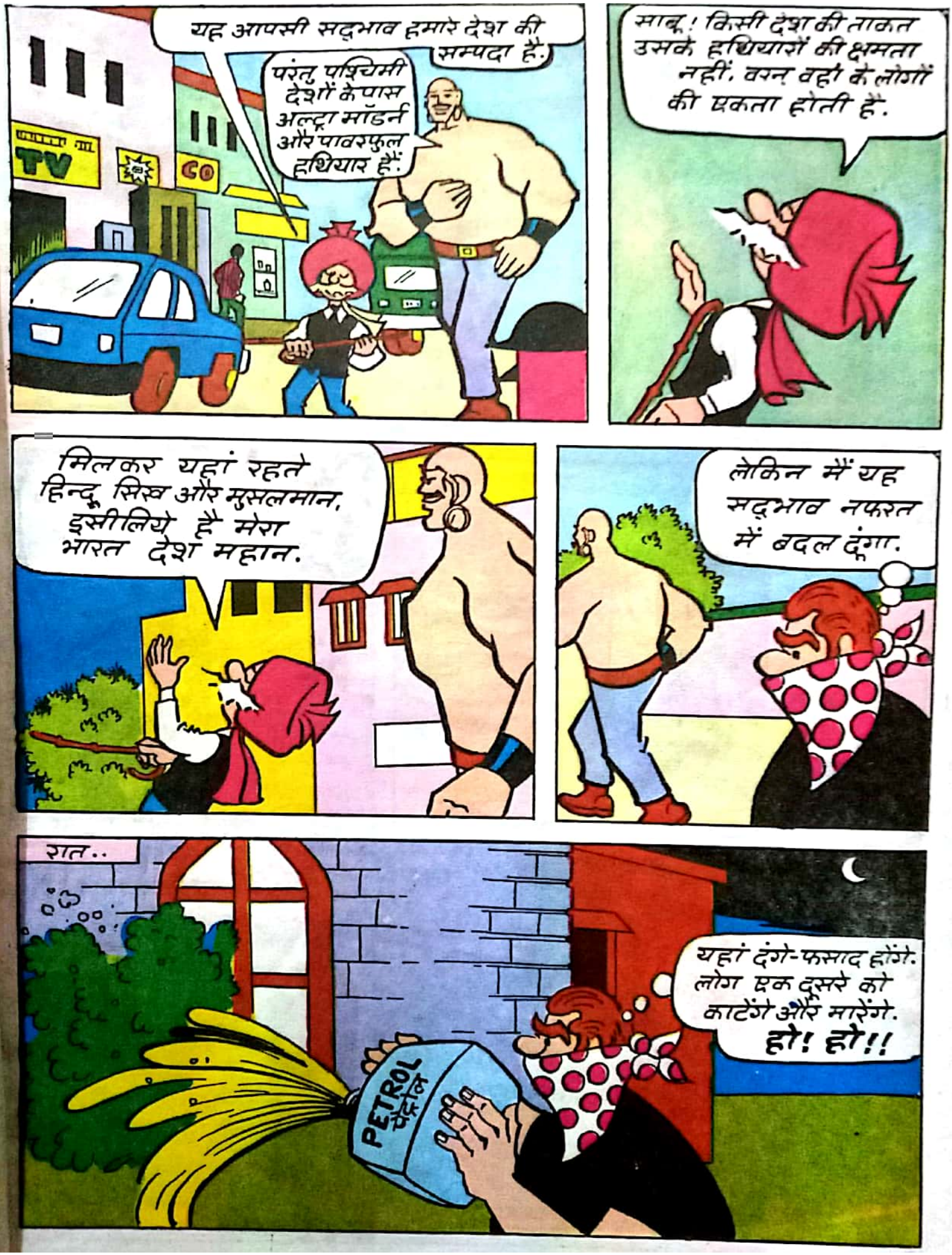
यह आपसी सद्भाव हमारे देश की सम्पदा है.
परंतु पश्चिमी देशों के पास अल्ट्रा मॉडर्न और पावरफुल हथियार हैं.
TV
CO
साबू ! किसी देश की ताकत उसके हथियारों की क्षमता नहीं, वरन् वहां के लोगों की एकता होती है.
मिलकर यहां रहते हिन्दू, सिख और मुसलमान, इसीलिये है मेरा भारत देश महान.
लेकिन मैं यह सद्भाव नफरत में बदल दूंगा.
रात..
यहां दंगे-फसाद होंगे. लोग एक दूसरे को काटेंगे और मारेंगे.
हो! हो!!
PETROL
पेट्रोल

मैंने अब्दुल के घर को आग लगा दी.

और आग लगाने वाली मशाल शंकर के घर के आगे फैंक दी. रात के अंधेरे में किसी ने मुझे देखा नहीं.

ओह ह! आग?!

उठो! बाहर भागो!

धीरज रखो! आग मिनटों में बुझ जायेगी.

सुबह.

हैं?? आग लगाने वाली मशाल शंकर के घर के आगे?

मैंने ख्वाब में भी नहीं सोचा था कि मेरा दोस्त दुश्मनों जैसा व्यवहार करेगा.

शंकर

शंकर ने मेरे घर को जलाया, मैं मिट्टी का तेल डालकर उसके घर को आग लगा देता हूं.
KEROSENE
अब्दुल? दोस्त! तू मेरे मकान को जलाने की कोशिश कर रहा था?
कौन दोस्त?
मारो!
तुम्हारी यह हिम्मत!
मारो!
मारो!
लाशें बिछा दो!
बेवकूफो रुको!
अब्दुल! तुम कहते हो कि इस मशाल से शंकर ने तुम्हारे घर में आग लगा दी. मगर इस डंडे से मछली की बू आ रही है.

जिसने यह मशाल थामी थी, उसने पहले उन्हीं हाथों से मछली खायी होगी. मगर शंकर शाकाहारी है ☼
☼ चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से तेज चलता है.
ये निशान बताते हैं कि जो व्यक्ति मशाल यहां तक लाया, उसका सिर्फ एक दांया पैर है अर्थात् वह लंगड़ा है. जबकि शंकर के दोनों पैर हैं.
अब हम इन निशानों का सहारा लेकर तुम्हारे घर पहुंचते हैं.
देखो, तुम्हारे घर के आगे से भूरे रंग का बाल मिला है. इससे साबित होता है कि दुश्मन अपने बालों को मेहंदी से रंगता है.
शंकर के बाल काले हैं.
भाई शंकर ! मुझे माफ कर दो. मुझसे गलती हो गयी थी.
ऐसा मत कहो, दोस्त!

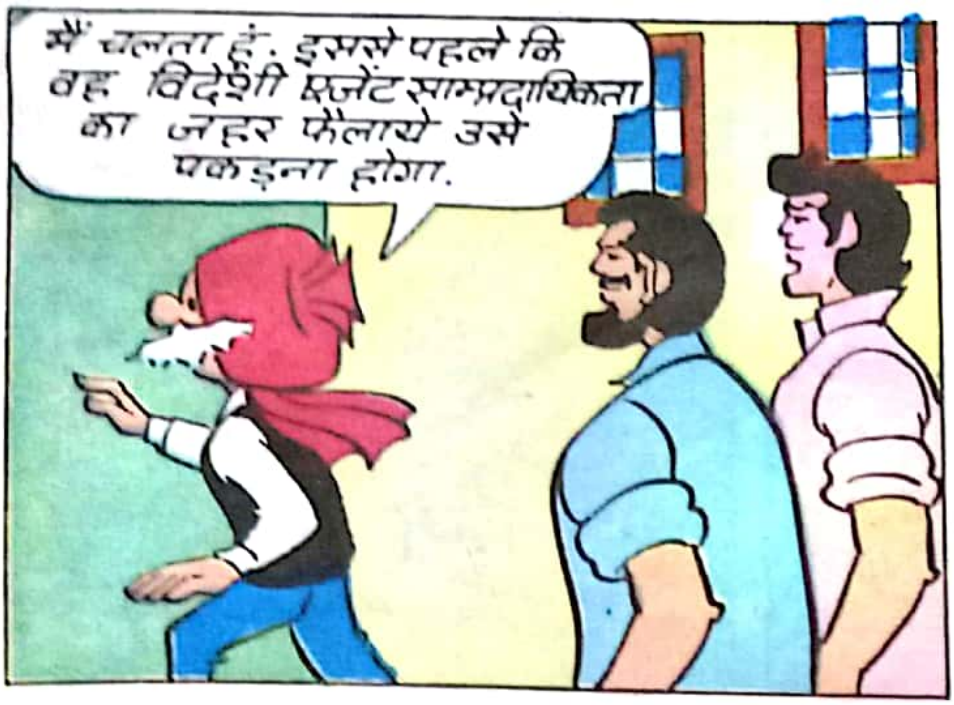

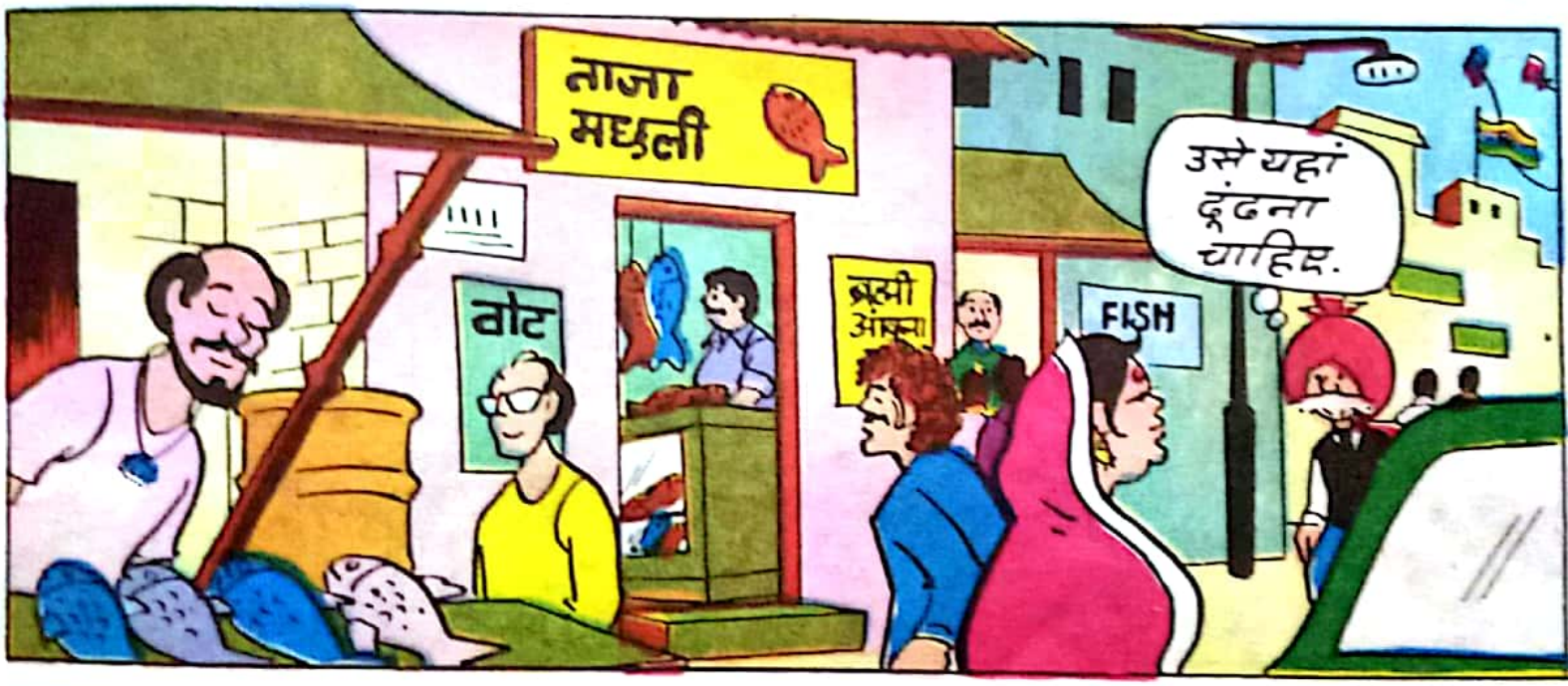

मैं चलता हूं. इससे पहले कि वह विदेशी एजेंट साम्प्रदायिकता का जहर फैलाये उसे पकड़ना होगा.
उसे मछली खाने का शौक है. वह अपनी खुराक लेने मछली बाजार जायेगा.
ताजा मछली
वोट
FISH
उसे यहां ढूंढना चाहिए.
आज तुम मछली ज्यादा खरीदोगे. लोगों के घर जलाने के बदले में तुम्हारे बॉस ने इनाम दिया होगा?
तो तुमने मुझे पहचान लिया?
अब मरने के लिए तैयार हो जाओ!
मैं टॉय-गन से नहीं डरता.

धांय!!
यह टॉय-गन नहीं, असली है. देखो!
फटाकक!
धड़ाक!
हवलदार गतका! आगजनी करने के जुर्म में इसे अंदर कर दो.
चलो!

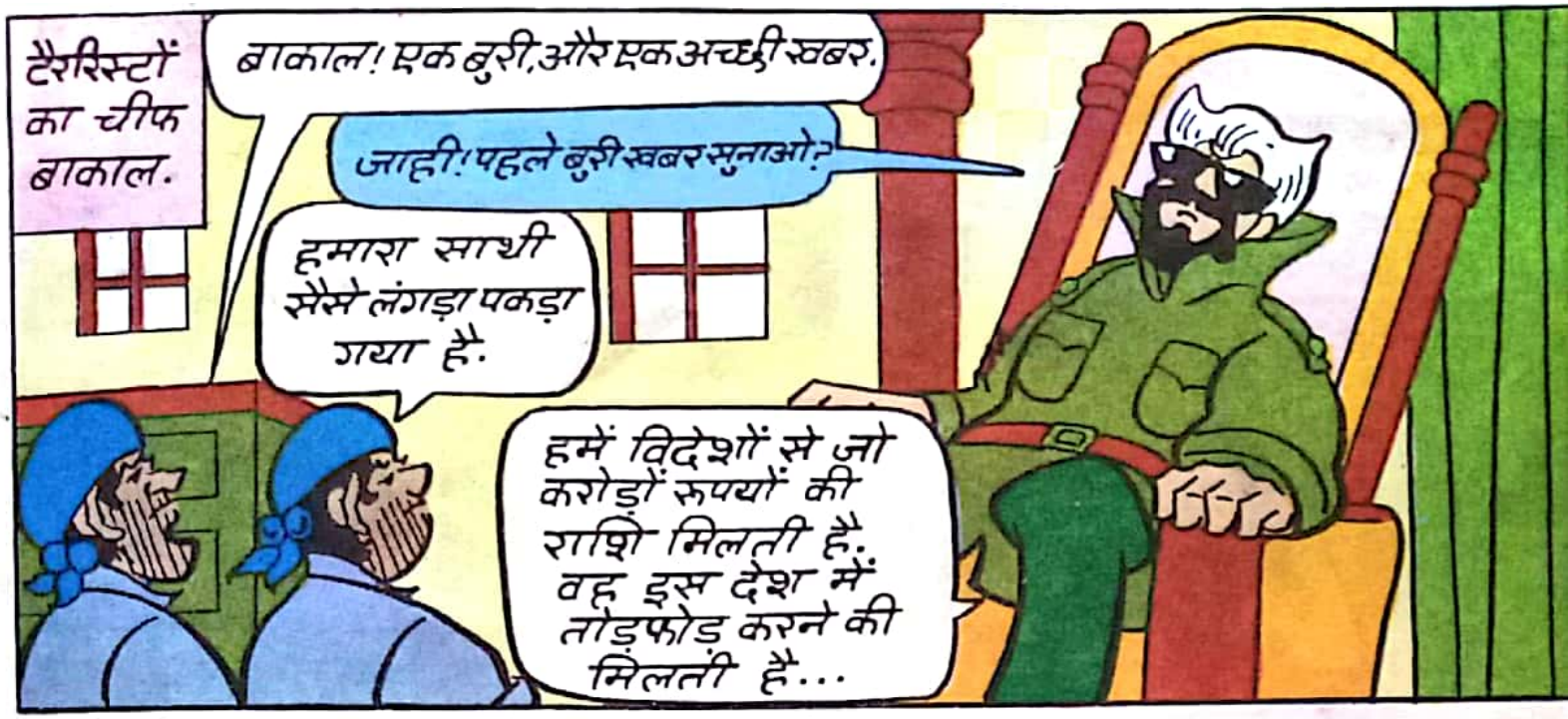

टैररिस्टों का चीफ बाकाल.
बाकाल! एक बुरी, और एक अच्छी खबर.
जाही! पहले बुरी खबर सुनाओ?
हमारा साथी झैसे लंगड़ा पकड़ा गया है.
हमें विदेशों से जो करोड़ों रुपयों की राशि मिलती है, वह इस देश में तोड़फोड़ करने की मिलती है...
...अगर हम नाकामयाब होते रहे तो ऐशोआराम की जिन्दगी के लिए हमें पैसा कौन देगा?
अच्छी खबर क्या है?
आज बड़े मैदान में जहां चीफ मिनिस्टर राष्ट्रीय झंडा लहराने आयेंगे, वहां हमने पावरफुल बम रख दिया है...
जब यह बम फटेगा तो दर्जनों लोग मारे जायेंगे.
?
पब्लिक फोन
चाचा चौधरी! आज बड़े मैदान में बम फटने वाला है.

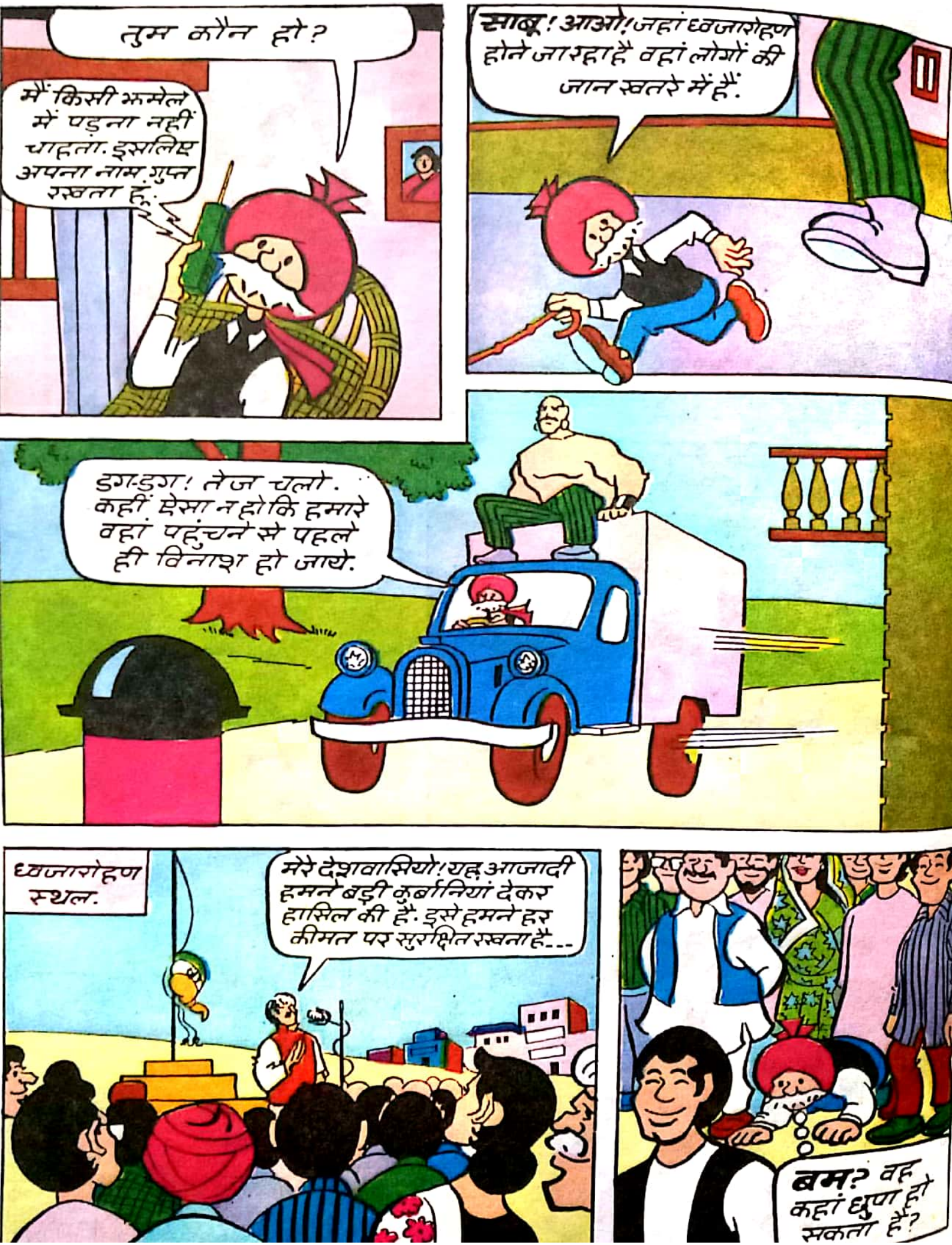
तुम कौन हो?
मैं किसी झमेले में पड़ना नहीं चाहता. इसलिए अपना नाम गुप्त रखता हूं.
साबू! आओ! जहां ध्वजारोहण होने जा रहा है वहां लोगों की जान खतरे में है.
डग-डुग! तेज चलो. कहीं ऐसा न हो कि हमारे वहां पहुंचने से पहले ही विनाश हो जाये.
ध्वजारोहण स्थल.
मेरे देशवासियो! यह आजादी हमने बड़ी कुर्बानियां देकर हासिल की है. इसे हमने हर कीमत पर सुरक्षित रखना है...
बम? वह कहां छुपा हो सकता है?

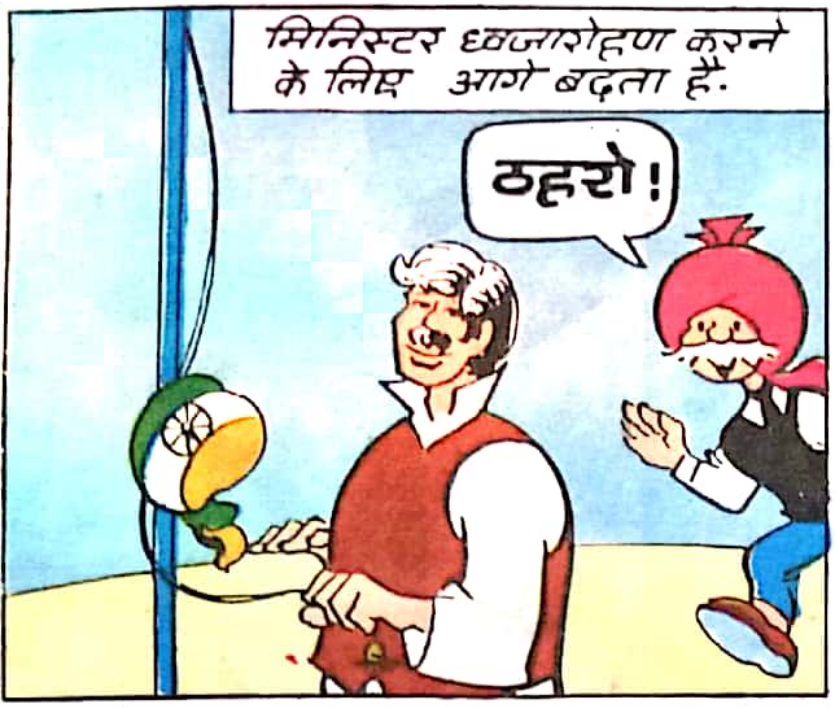
मिनिस्टर ध्वजारोहण करने के लिए आगे बढ़ता है.
ठहरो!

वहीं खड़े रहो! तुम मिनिस्टर के काम में रुकावट डाल रहे हो.
गार्ड! उसे आने दो. वह चाचा चौधरी है, हमारा मित्र.

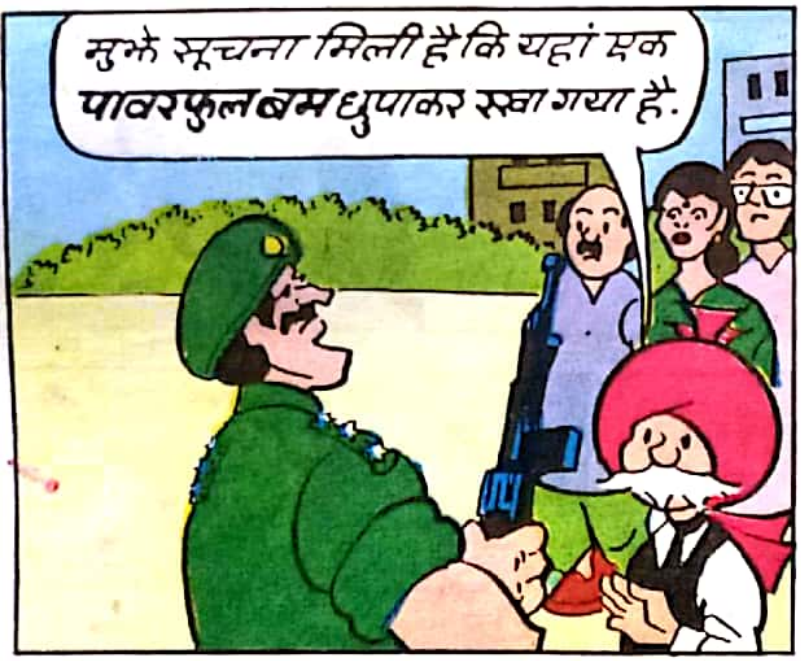
मुझे सूचना मिली है कि यहां एक पावरफुल बम छुपाकर रखा गया है.

बम?!!
भागो!
भागो!

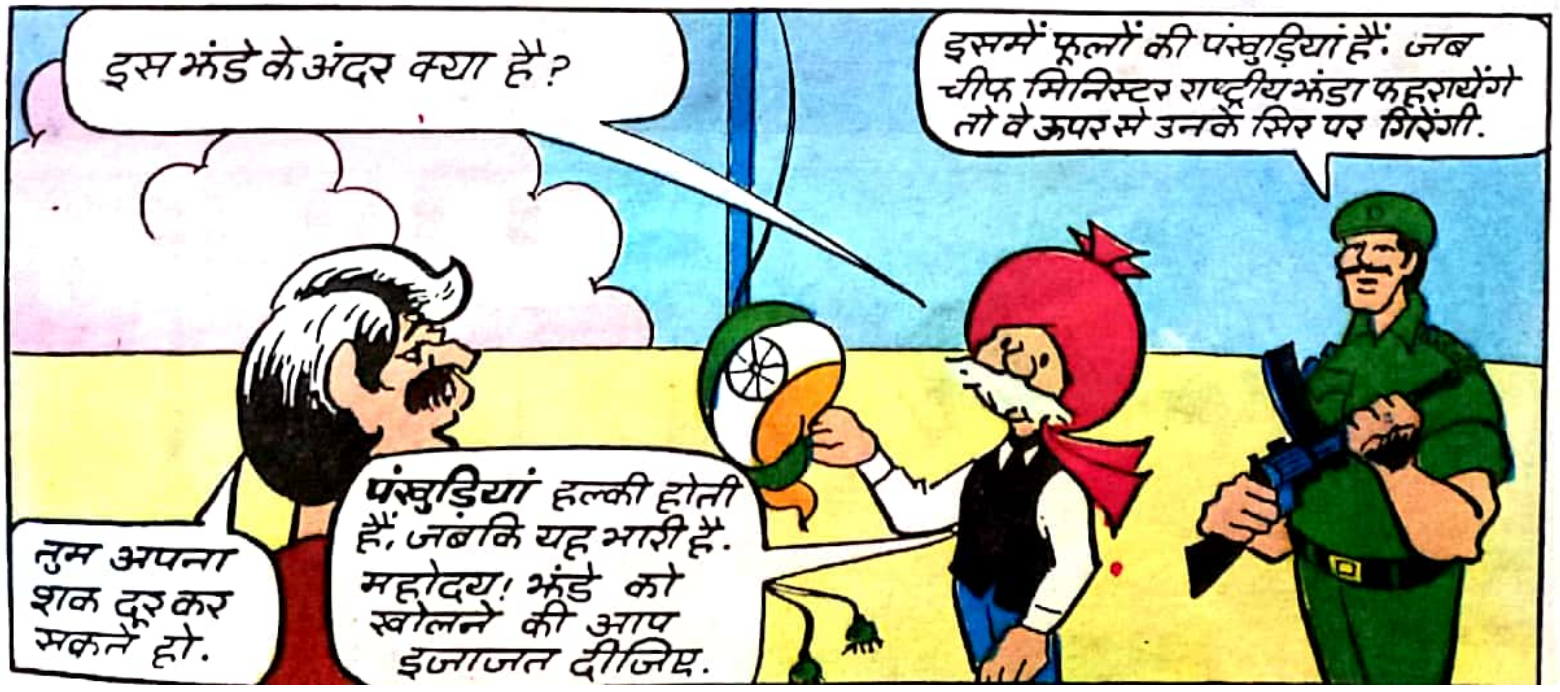
इस झंडे के अंदर क्या है?
इसमें फूलों की पंखुड़ियां हैं. जब चीफ मिनिस्टर राष्ट्रीय झंडा फहरायेंगे तो वे ऊपर से उनके सिर पर गिरेंगी.
तुम अपना शक दूर कर सकते हो.
पंखुड़ियां हल्की होती हैं, जबकि यह भारी है. महोदय! झंडे को खोलने की आप इजाजत दीजिए.

झंडा खोलने पर.

देखिये, इसमें यह पावरफुल बम बंधा है. झंडा फहराते ही यह जमीन पर गिरकर फटता और अनगिनत लोगों की जाने जातीं.

और तिरंगा फहराया जाता है.

जन-गण, मन, अधिनायक जय है! भारत- भाग्य, विधाता...

उधर बाकाल विनाश देखने को उत्सुक है.

टी. वी. चलाकर देखूं कितने लोग मरे हैं?

और चीफ मिनिस्टर ने अपने करकमलों से ध्वजारोहण किया...

मैं उस झंडे को उतार फैंकूंगा.

वहीं रुको !
आगे मत आना !
उस झंडे तक पहुंचने से मुझे कोई नहीं रोक सकता.
राट ट ट!
साब! झंडे को गिरने से रोको!
राटटटाट टा!
हू-हूबा!

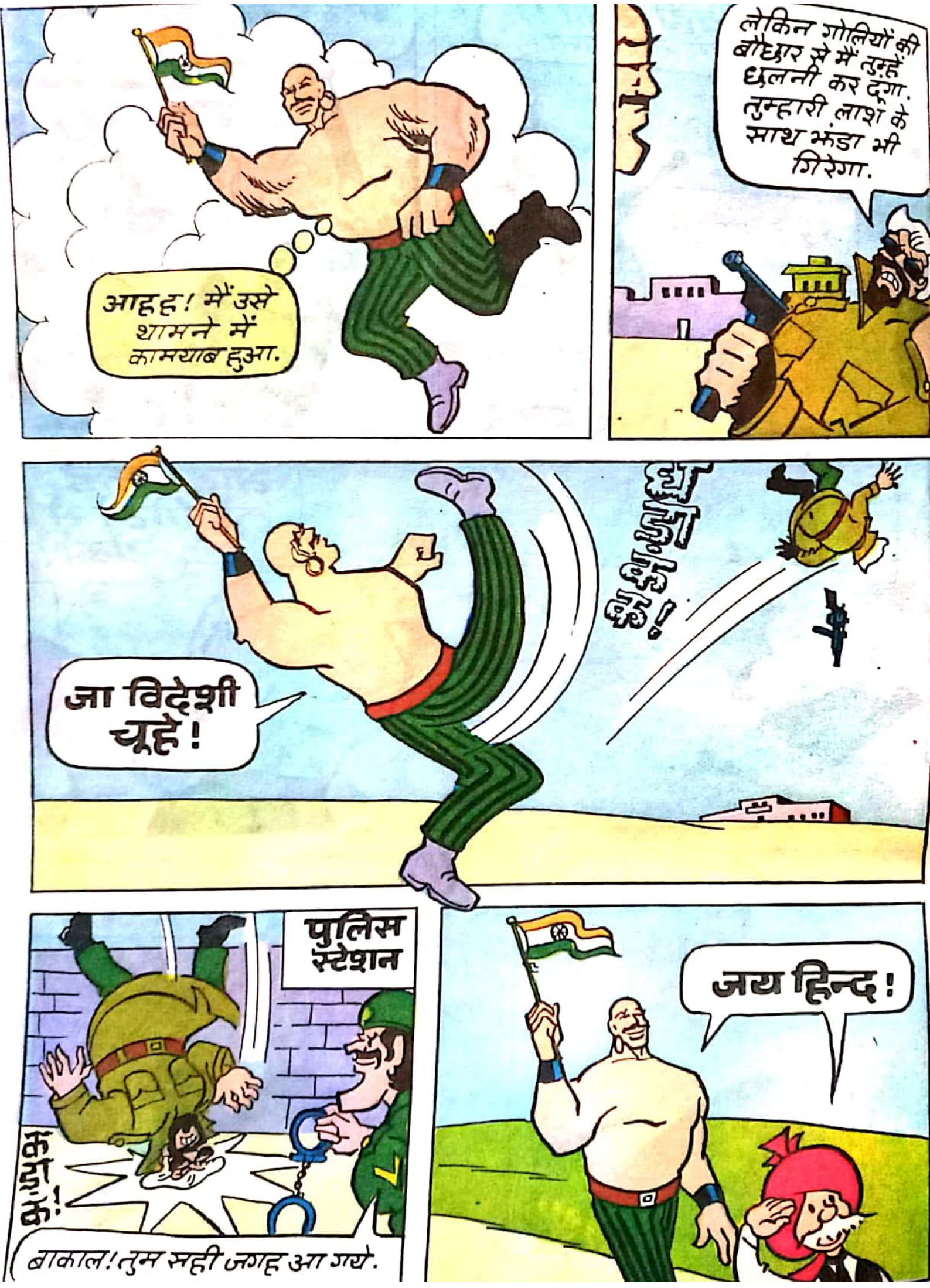

आहह्ह! मैं उसे थामने में कामयाब हुआ.
लेकिन गोलियों की बौछार से मैं तुम्हें छलनी कर दूंगा. तुम्हारी लाश के साथ झंडा भी गिरेगा.
जा विदेशी चूहे!
पुलिस स्टेशन
बाकाल! तुम सही जगह आ गये.
जय हिन्द!

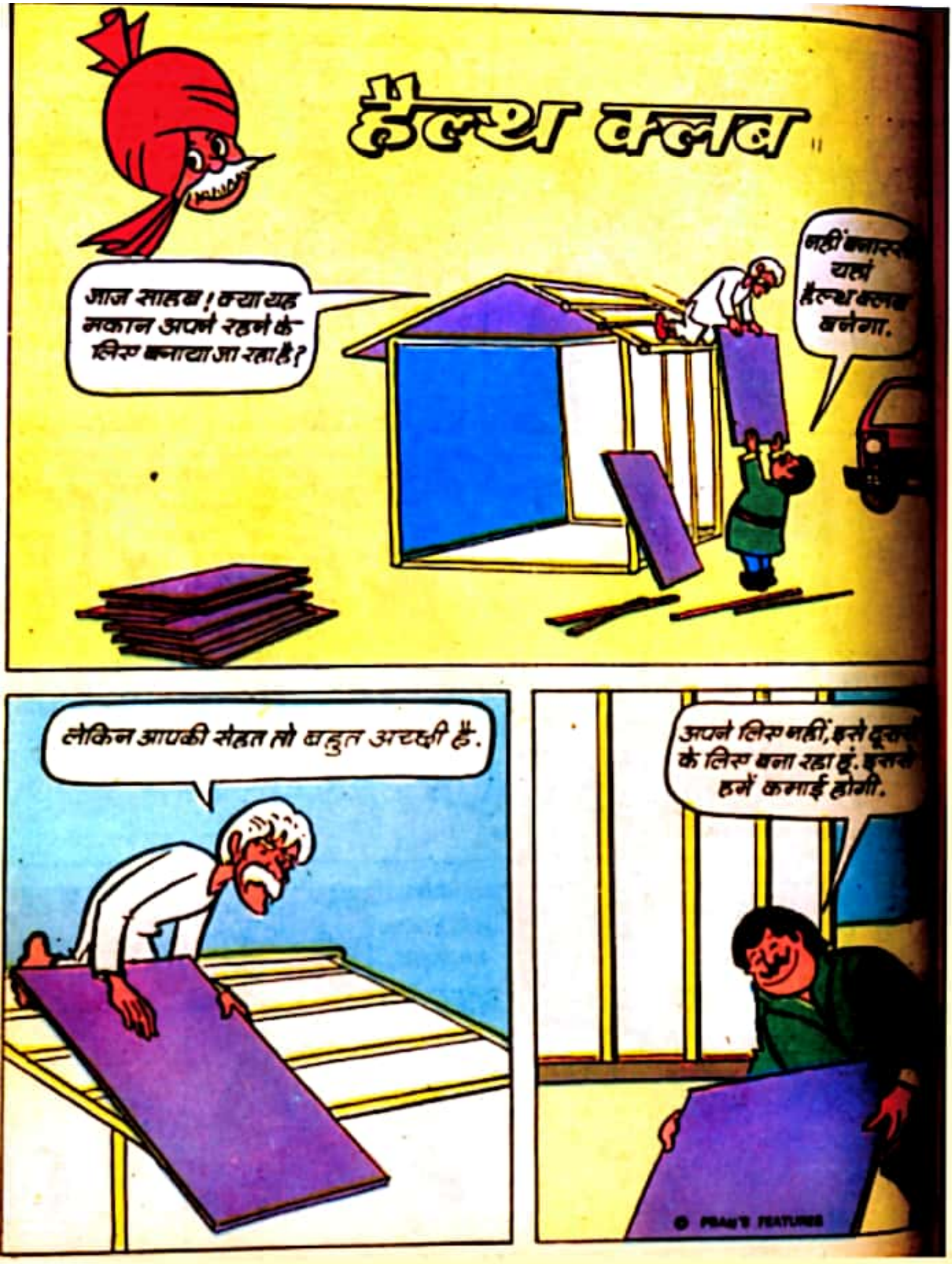

हैल्थ क्लब
आज साहब! क्या यह मकान अपने रहने के लिए बनाया जा रहा है?
नहीं ... यहां हैल्थ क्लब बनेगा.
लेकिन आपकी सेहत तो बहुत अच्छी है.
अपने लिए नहीं, इसे ... के लिए बना रहा हूं. ... हमें कमाई होगी.
© PRAN'S FEATURES

सच? जरा विस्तार से समझाइये.
हर शहर में सैंकड़ों बूढ़े रहते हैं.
हर बूढ़े को फिर से जवान होने की तमन्ना होती है. मैं स्थानीय अखबार में विज्ञापन दूंगा. और जवान बनाने की फीस बीस हजार रुपये लूंगा.
बहुत अच्छा.
दूसरे दिन
बूढ़े से जवान होइये
फीस 20 हजार रुपये
आज का
अगर मैं फिर से जवान हो जाऊं तो क्रिकेट खेल सकता हूं.
जवानी आयेगी तो मेरे टूटे दांत दोबारा उग आयेंगे, गंजापन दूर हो जायेगा और मैं भागदौड़ सकूंगा.

बीस हजार में सौदा बुरा नहीं.
जवानी की कोई कीमत नहीं होती.
क्या योगाभ्यास से हमें जवान बनाया जायेगा?
शरीर पर तेल मालिश की जायेगी?
क्या कोई दवाई खिलायेंगे?
नहीं! वह सब लम्बे रास्ते हैं.
मेरे पास शार्टकट है. मेरे हैल्थ क्लब में घुसो. और पांच मिनट्स में जवान हो जाओ. बनारसी बाबा आपको करके दिखायेंगे.
हैल्थ
क्या यह सम्भव है?
वह अन्दर जा रहा है.

कुछ देर बाद
वह बाहर आ गया. उसकी उम्र कम हो गयी और बाल काले हो गये.
यही नहीं मैं तेज़ दौड़ सकता हूं.
मैं तो बुढ़ापे के कारण सीधा चल भी नहीं पाता.
और फुर्ती से व्यायाम कर सकता हूं.
सचमुच उसपर जवानी आ गयी है.
मैं भी जवान बनना चाहती हूं. यह लो बीस हजार रुपये.
इस बक्स में डाल दीजिए.
यह लीजिए मेरे बीस हजार रुपये.
यह मेरे!
यह मेरे!
मेरे.

चलो, उस कमरे में घुस चलो और जवान हो जाओ!
चलो!
सब अन्दर चले गये. अब मैं अपना काम करूं.
मैंने बाहर से दरवाजा बन्द कर दिया. दुनिया में बेवकूफों की कमी नहीं है.
मिनटों में लाखों रुपया इकट्ठा हो गया.
मेरा हिस्सा?

यह तुम सम्भालो और रफूचक्कर हो जाओ.
अब मैं दूसरे शहर जाता हूं थोड़े दिनों में मैं करोड़पति हो जाऊंगा.
चाचाजी! लंच कब करेंगे?
साहू! तुम्हारा पेट है या कुआं? थोड़ी देर पहले हम नाश्ता करके चले थे.
दरवाजा खोलो!
वह धोखेबाज हमें बंद कर गया.
बचाओ!
बचाओ
चाचाजी! ट्रक रोको!

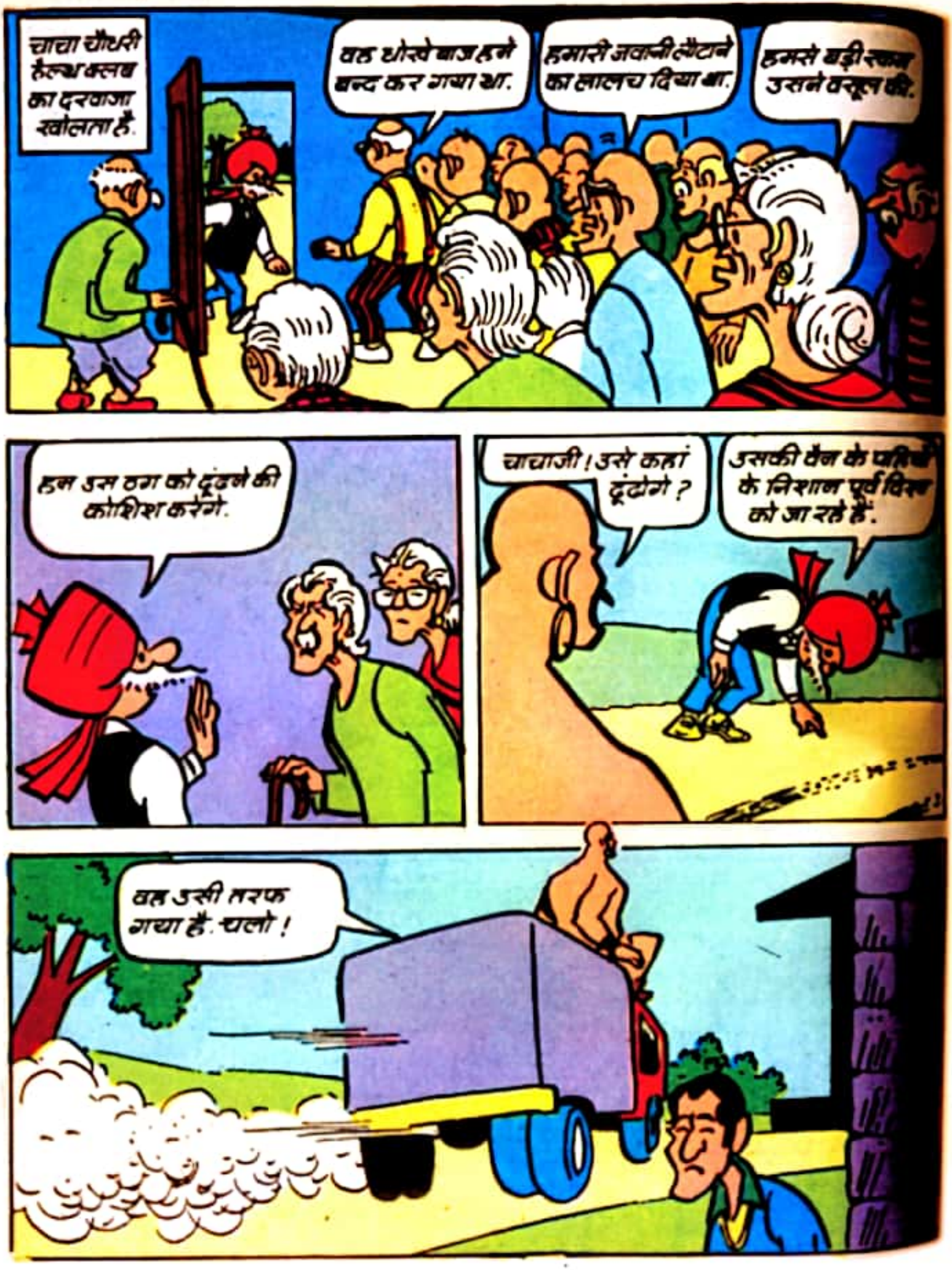
चाचा चौधरी हैल्थ क्लब का दरवाजा खोलता है.
वह धोखेबाज हमें बन्द कर गया था.
हमारी जवानी लौटाने का लालच दिया था.
हमसे बड़ी रकम उसने वसूल की.
हम उस ठग को ढूंढने की कोशिश करेंगे.
चाचाजी! उसे कहां ढूंढेंगे?
उसकी वैन के पहियों के निशान पूर्व दिशा को जा रहे हैं.
वह उसी तरफ गया है. चलो!

वह जरूर अगले शहर के बूढ़ों को लूटने में लगा होगा.
उधर
शहर में एक सज्जन जवानी लौटाने का दावा करते हैं.
अगर मैं जवान हो जाऊं तो दोबारा शादी कर सकता हूं.
जो तुम कह रहे हो उसका क्या सबूत है?
मेरे साथी बुजुर्ग जो खड़े हैं इनको आपके सामने मैं जवान बनाकर दिखाऊंगा
यह हैल्थ क्लब के अन्दर जायेंगे और पांच मिनट बाद जवान होकर लौटेंगे.
लेकिन मैं उनको बिना अन्दर भेजे, यहीं खड़े हुए जवान बना सकता हूं.

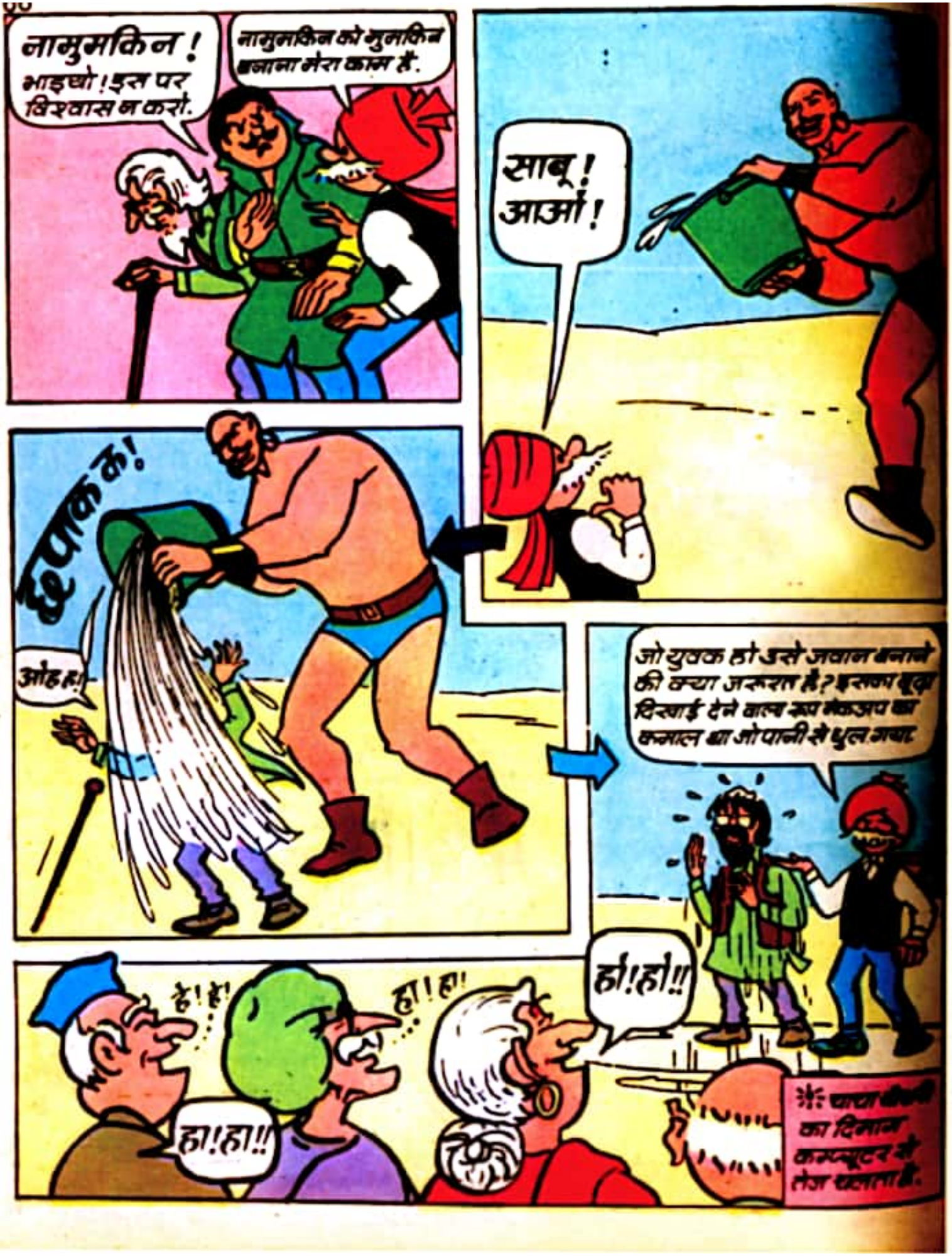

नामुमकिन! भाइयो! इस पर विश्वास न करो.
नामुमकिन को मुमकिन बनाना मेरा काम है.
साबू! आओ!
छपाकक!
ओह ह!
जो युवक हो उसे जवान बनाने की क्या जरूरत है? इसका बूढ़ा दिखाई देने वाला रूप मेकअप का कमाल था जो पानी से धुल गया.
हे! हे!
हा! हा!
हो!हो!!
हा!हा!!
चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से तेज चलता है.

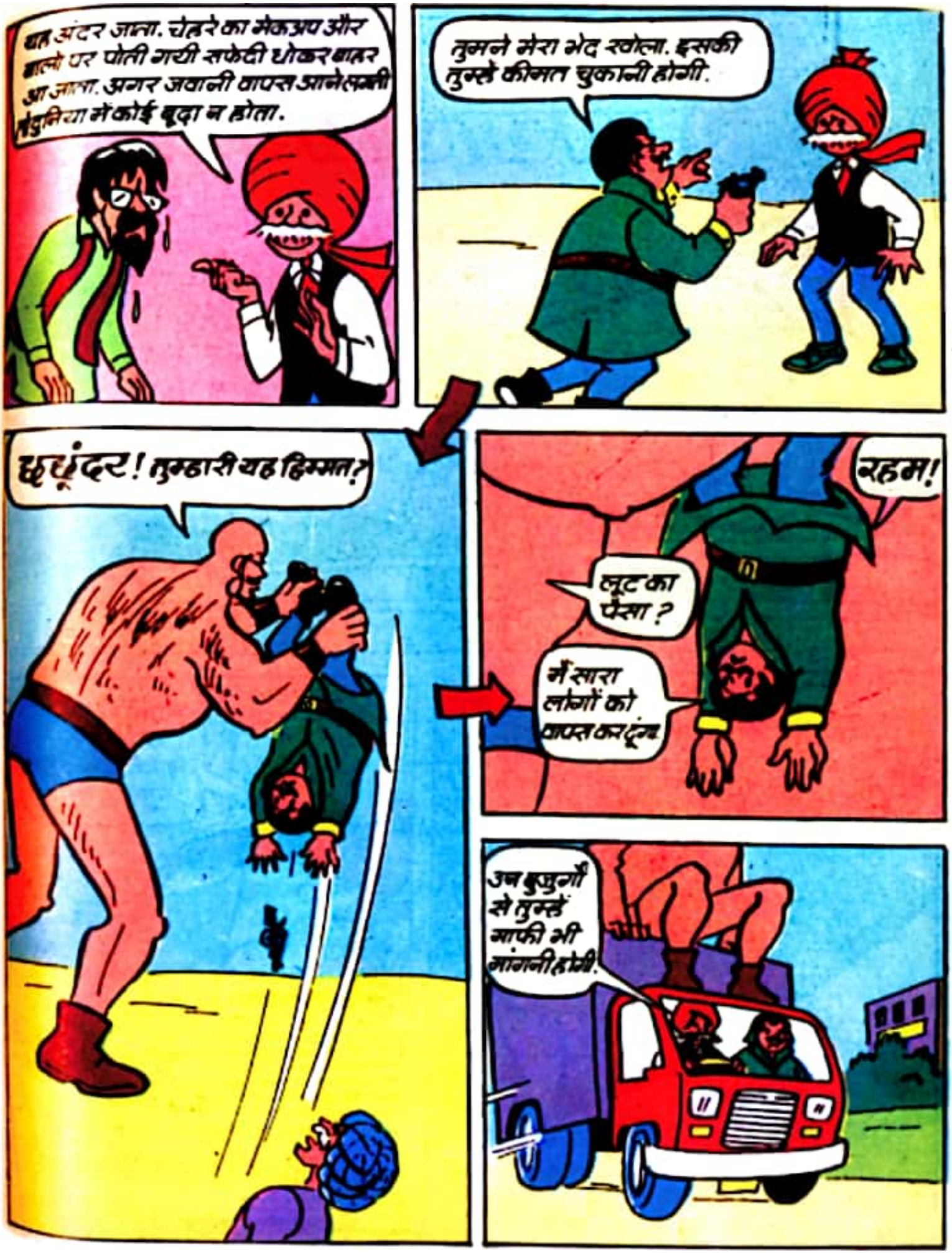

यह अंदर जाता. चेहरे का मेकअप और बालों पर पोती गयी सफेदी धोकर बाहर आ जाता. अगर जवानी वापस आने लगती तो दुनिया में कोई बूढ़ा न होता.
तुमने मेरा भेद खोला. इसकी तुम्हें कीमत चुकानी होगी.
छछूंदर! तुम्हारी यह हिम्मत?
रहम!
लूट का पैसा?
मैं सारा लोगों को वापस कर दूंगा.
अब बुजुर्गों से तुम्हें माफी भी मांगनी होगी.

# युवराज ताजपो

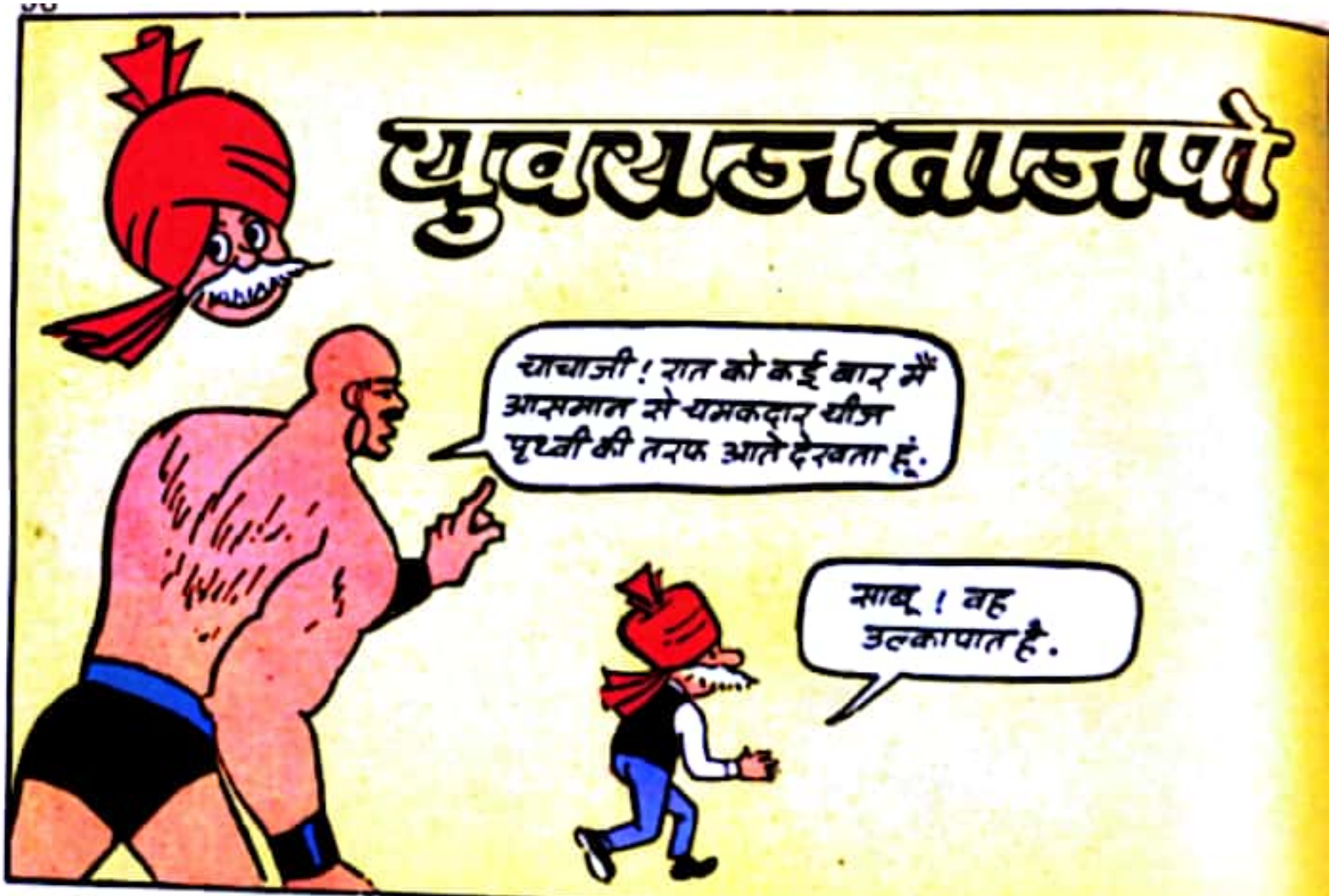
चाचाजी ! रात को कई बार मैं आसमान से चमकदार चीज पृथ्वी की तरफ आते देखता हूं.
साबू ! वह उल्कापात है.

अगर वह हमारे सिर पर आ गिरे तब ?

उल्कापात अंतरिक्ष से पृथ्वी के वातावरण में आते आते कण कण हो जाती है और उससे कोई हानि नहीं होती

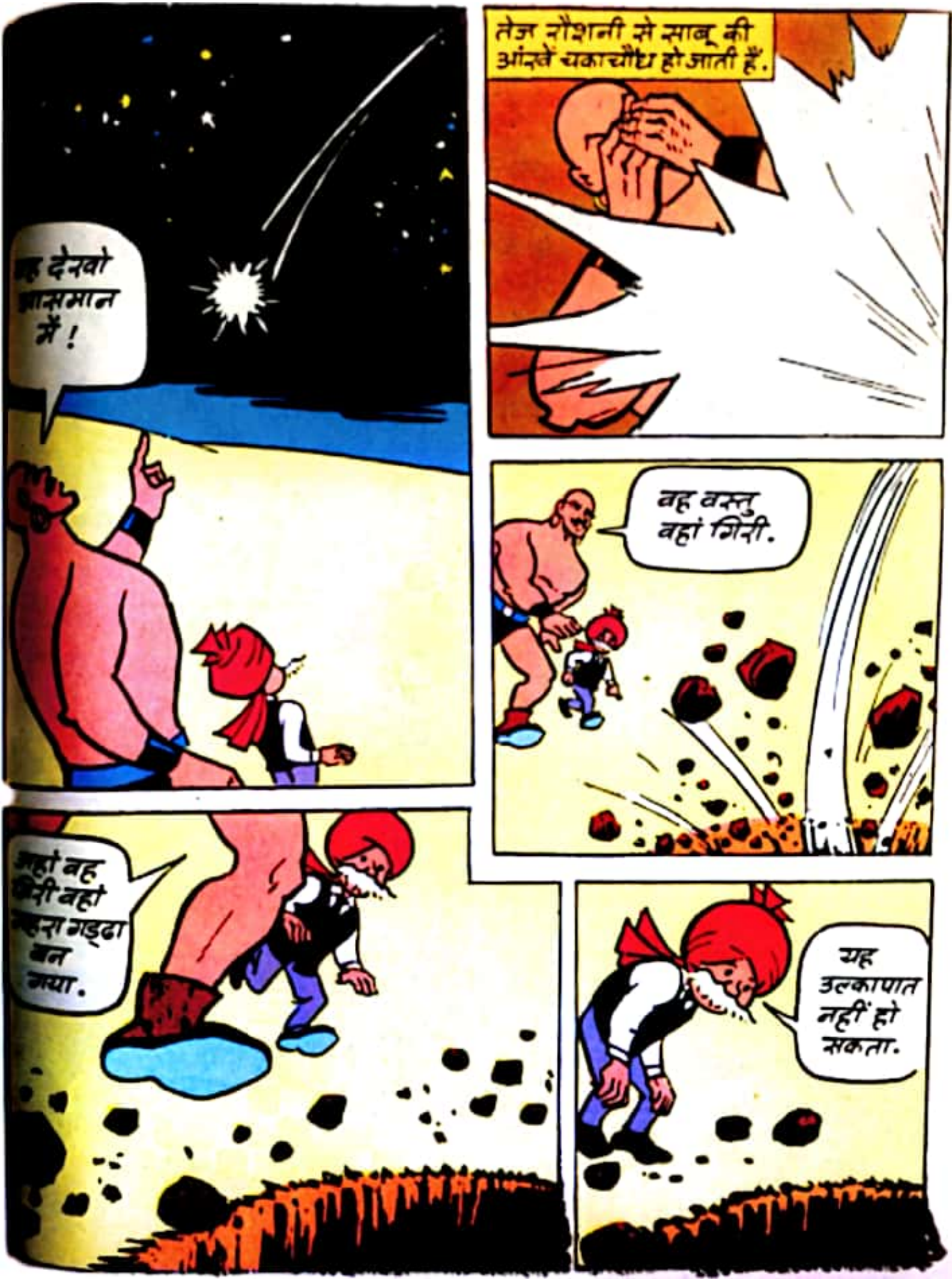
तेज रौशनी से साबू की आंखें चकाचौंध हो जाती हैं.
वह देखो आसमान में !
वह वस्तु वहां गिरी.
जहां वह गिरी वहां गहरा गड्ढा बन गया.
यह उल्कापात नहीं हो सकता.

गड्ढे से धीरे धीरे एक गोलाकार वस्तु बाहर आती है.
अंदर से एक प्राणी बाहर आता है.
मैं बटन दबाता हूं ताकि इस ग्रह के वासियों की भाषा समझ सकूं.
तुम?
मैं अंतरिक्ष में दूर श्री बकानर ग्रह का युवराज नाजपो हूं. मेरे पिता महाराजा गणमणा की मृत्यु के बाद दुष्ट मंत्री बाका ने षड्यंत्र रचा और मुझे मारकर राज्य हड़पना चाहा. मैं किसी तरह भाग निकला और यहां आ पहुंचा हूं.
युवराज नाजपो! तुम हमारे मेहमान हो. तुम्हें यहां खरोंच भी नहीं आयेगी.
दुष्ट मंत्री बाका.
हो! हो! युवराज ने इस घटिया ग्रह पर शरण ली है. इसे यहीं मार दूंगा.

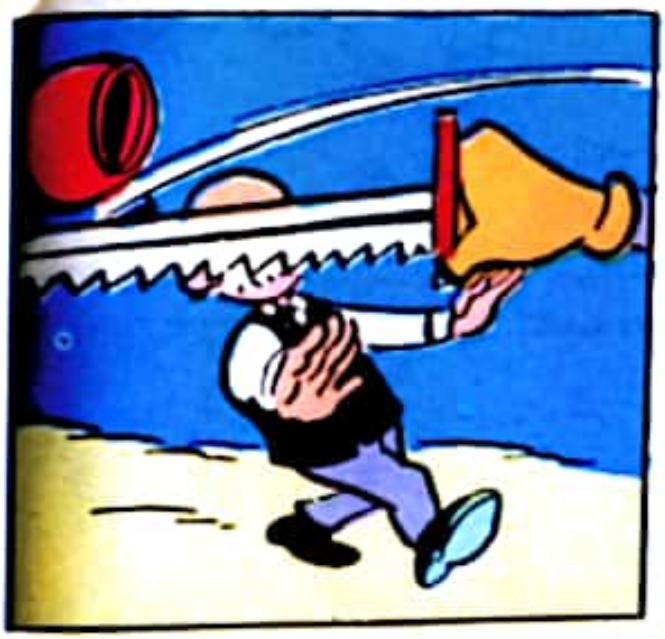

रुको! तुम ऐसा नहीं कर सकते. इसकी सुरक्षा का जिम्मा हमारे ऊपर है.
आदिवासी! पहले मैं तुमसे निपटता हूं.
चूहे! तुमने चाचा पर हाथ उठाया.
साबू को जब गुस्सा आता है तो कहीं ज्वालामुखी फटता है.
खटाक!
मैं तुम्हें भी काटकर रख दूंगा.

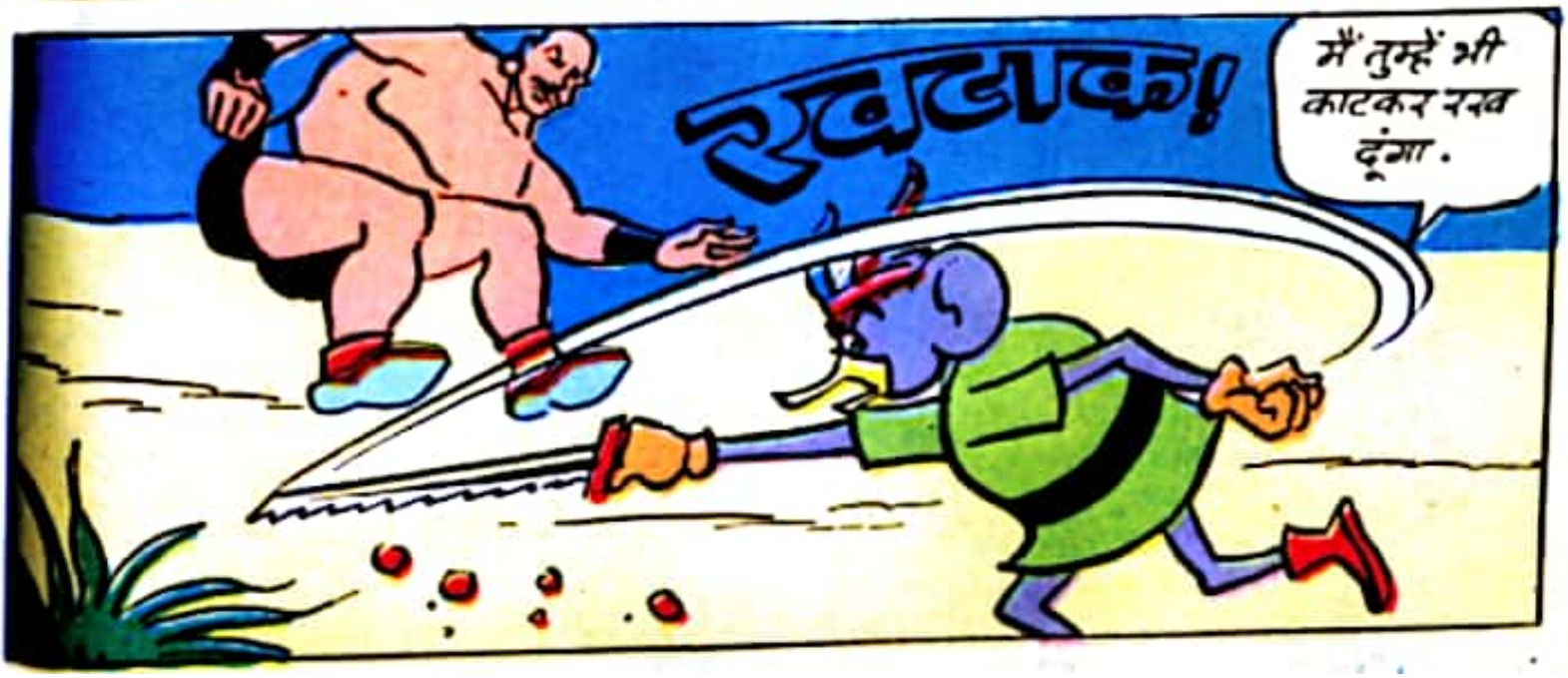

वार खाली हो जाने पर बाका गुस्से से पागल हो उठता है. वह पूरी ताकत से हमला करने को आगे बढ़ता है.
यह तुम्हारा सिर अलग कर देगा.
साबू ठीक समय एक तरफ हट जाता है. हमलावर की तलवार जमीन में धंस जाती है.
धड़ाक!
साबू अपने प्रतिद्वंद्वी को उठा लेता है.
और घुमाकर फेंकता है.

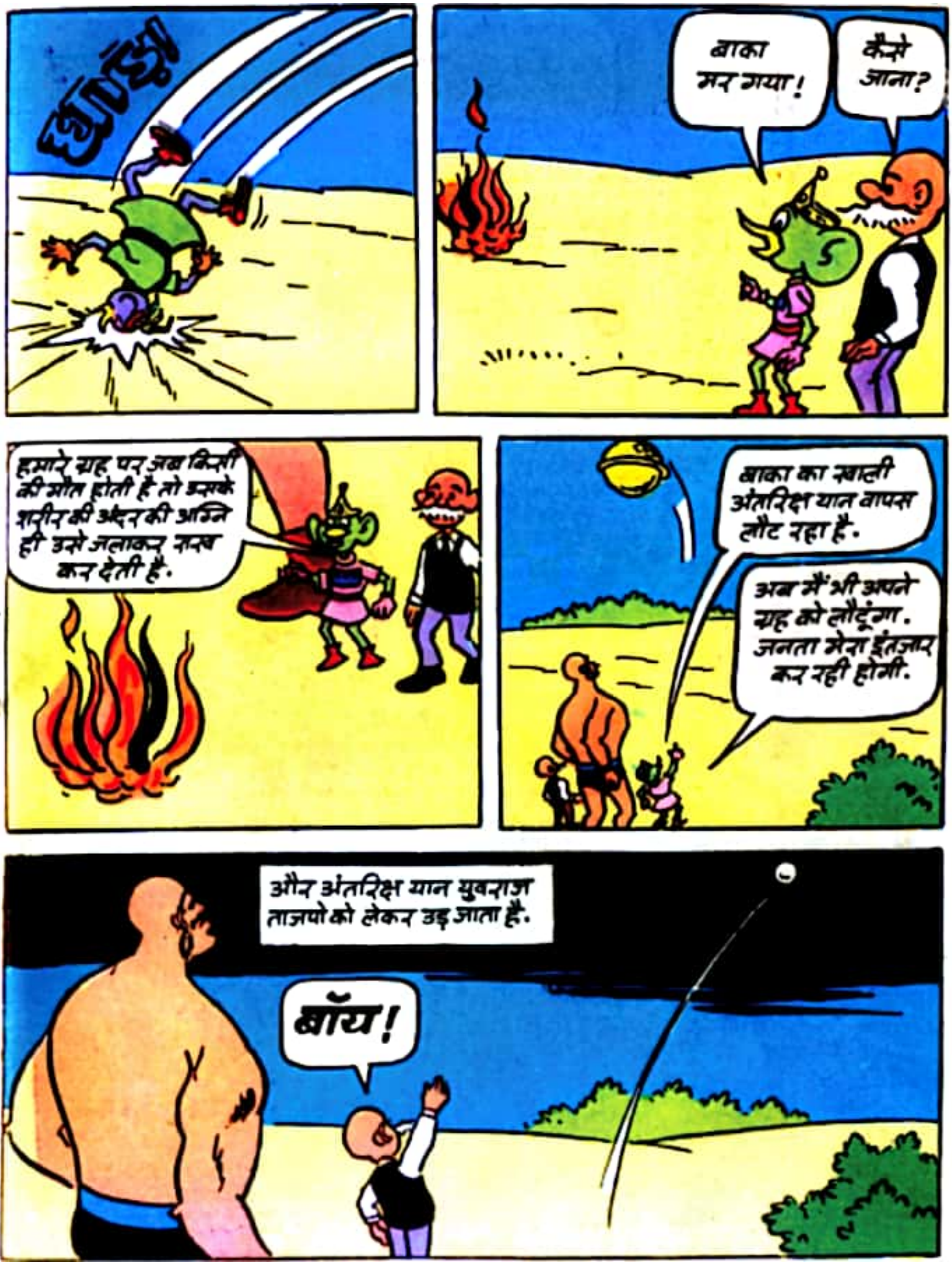
धड़ाम!
बाका मर गया!
कैसे जाना?
हमारे ग्रह पर जब किसी की मौत होती है तो उसके शरीर की अंदर की अग्नि ही उसे जलाकर राख कर देती है.
बाका का खाली अंतरिक्ष यान वापस लौट रहा है.
अब मैं भी अपने ग्रह को लौटूंगा. जनता मेरा इंतजार कर रही होगी.
और अंतरिक्ष यान युवराज ताजपो को लेकर उड़ जाता है.
बॉय!

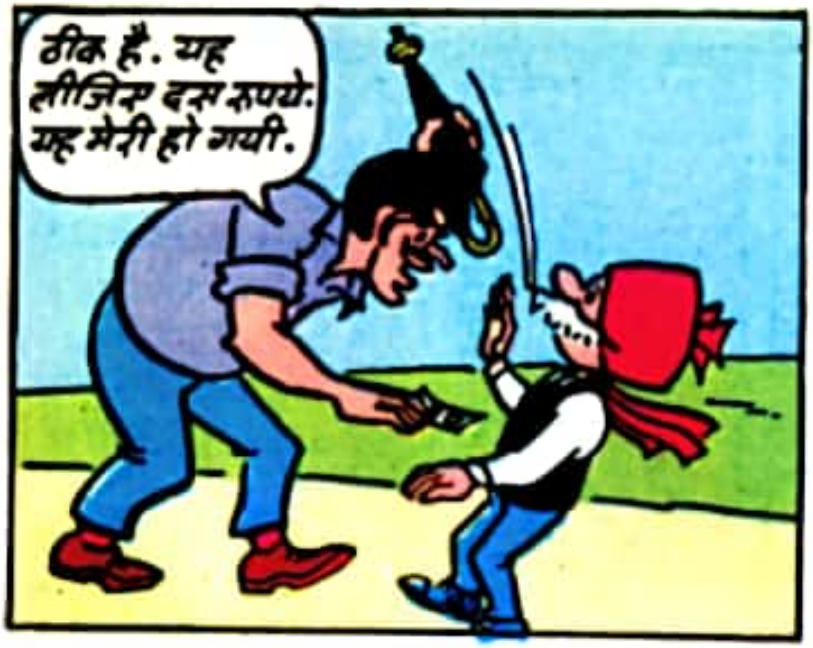

चाचा चौधरी की छतरी
चाचाजी! एक फटी पुरानी छतरी कितने की आ जायेगी?
यही कोई दस रुपये की.
ठीक है. यह लीजिए दस रुपये. यह मेरी हो गयी.
मगर मेरी छतरी बिकाऊ नहीं है.
सौदा हो गया!
बेईमानी की हद हो गयी.
बारिश आ गयी. उस छत के नीचे शरण लूं.
बारिश की किसे फिक्र है? अब तो अपने पास नयी छतरी है.

ओह! यह खुल नहीं रही? जाम हो गयी है--- जरा और दम लगाऊं!

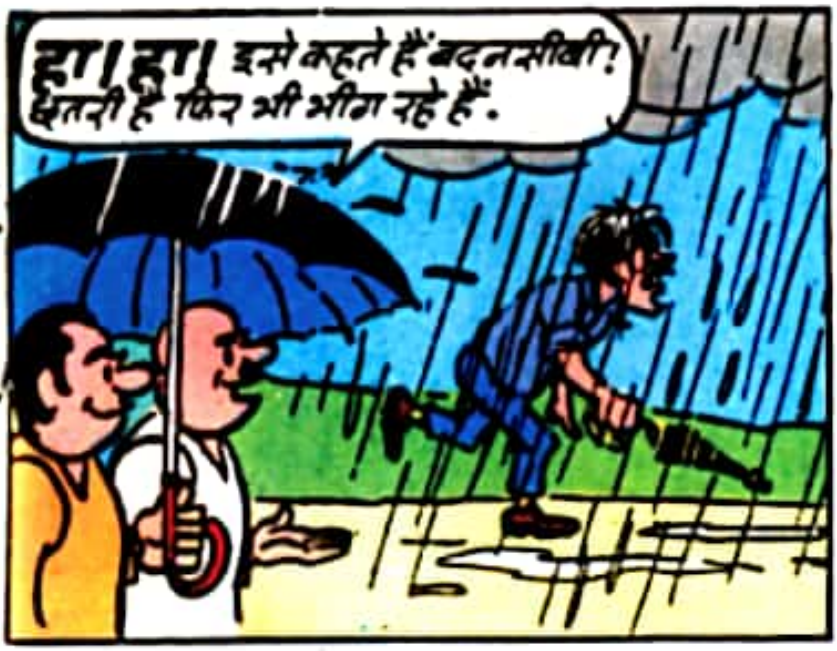
हा! हा! इसे कहते हैं बदनसीबी! छतरी है फिर भी भीग रहे हैं.

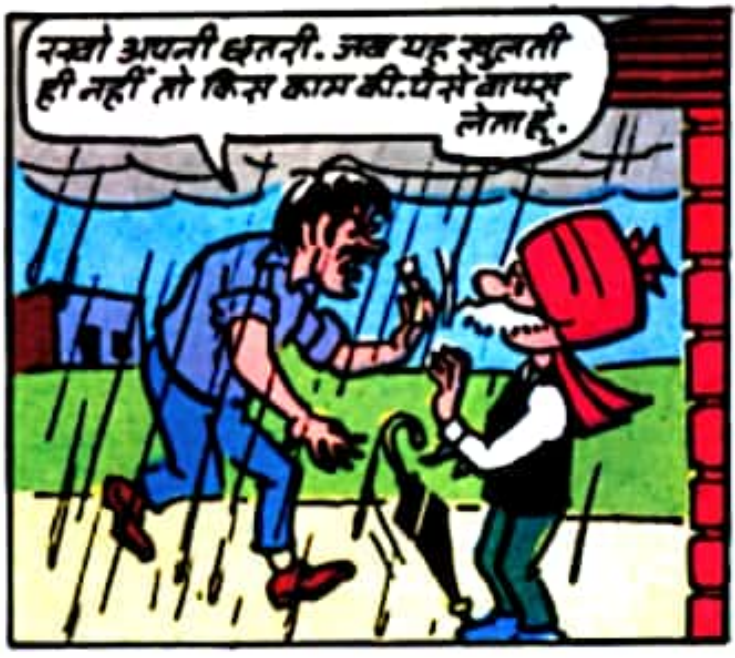
रखो अपनी छतरी. जब यह खुलती ही नहीं तो किस काम की.पैसे वापस लेता हूं.

यह छतरी पुश बटन से खुलती है.

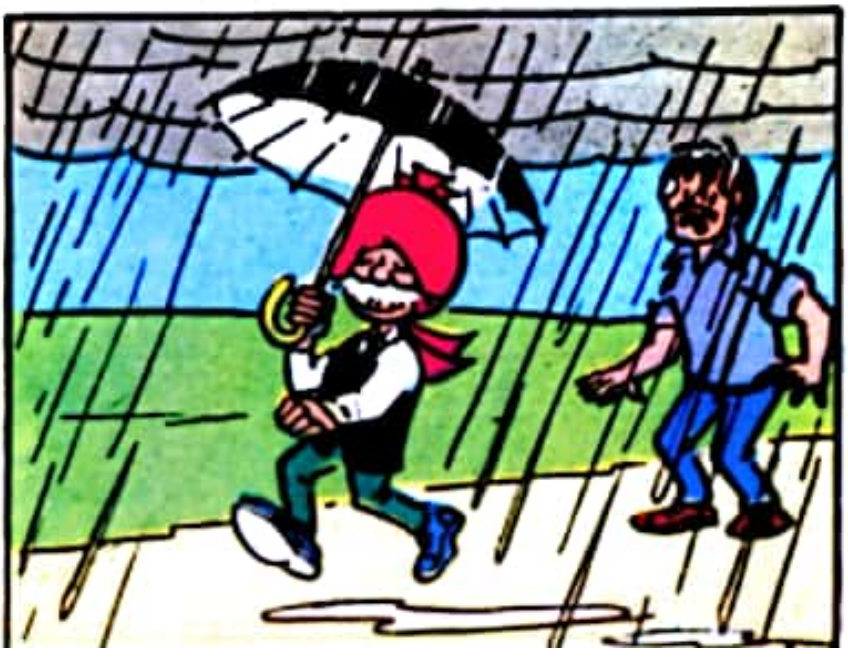

हास्य भवन
रघुपत
उफ़-हो! कार बीच रास्ते खराब हो गयी. मुझे जल्दी घर पहुंचना था... क्यों न टेलीफोन कर के वर्कशाप से मेकैनिक को बुलवा लिया जाये?
यहां कहां से टेलीफोन करूं?
हास्य भवन
शायद इस भवन में टेलीफोन हो?
मैडम! क्या मैं आपका टेलीफोन इस्तेमाल कर सकता हूं?
तशरीफ़ लाइए.
बड़ा अजीब नाम है आपके भवन का.

हा! हा!
अब समझ में आ गया कि मेरी इमारत का नाम हास्य भवन क्यों है?
ओह!
सिर पर चोट लगने से दर्द हो रहा होगा? लो, दवाई पी लो. दर्द खत्म हो जायेगा.
उफ्फफ! मुंह जल गया!
हो! हो! इस शीशी में दुनिया की सबसे तेज लाल मिर्चों का रस है.

मुझे घर जल्दी पहुंचना है. वहां मेरा प्रिय टी.वी. सीरियल आने वाला है.
तुम्हें घर पहुंचने में देर लगेगी. तुम मेरा टी.वी. देख सकते हो.
वाह! रंगीन टी.वी. और बड़ी स्क्रीन.
धड़ाक!
हो! हो!
मैडम! अब मैं तुम्हारी चाल में और नहीं आऊंगा. मैं टेलीफोन करके मेकैनिक को बुलाता हूं, और अपनी कार ठीक करवाता हूं.
हो! हो! मेरे घर की सारी चीजें अजीबोगरीब हैं. ये सब मुझे हंसाने के लिए हैं.
ओह!
छपाक!

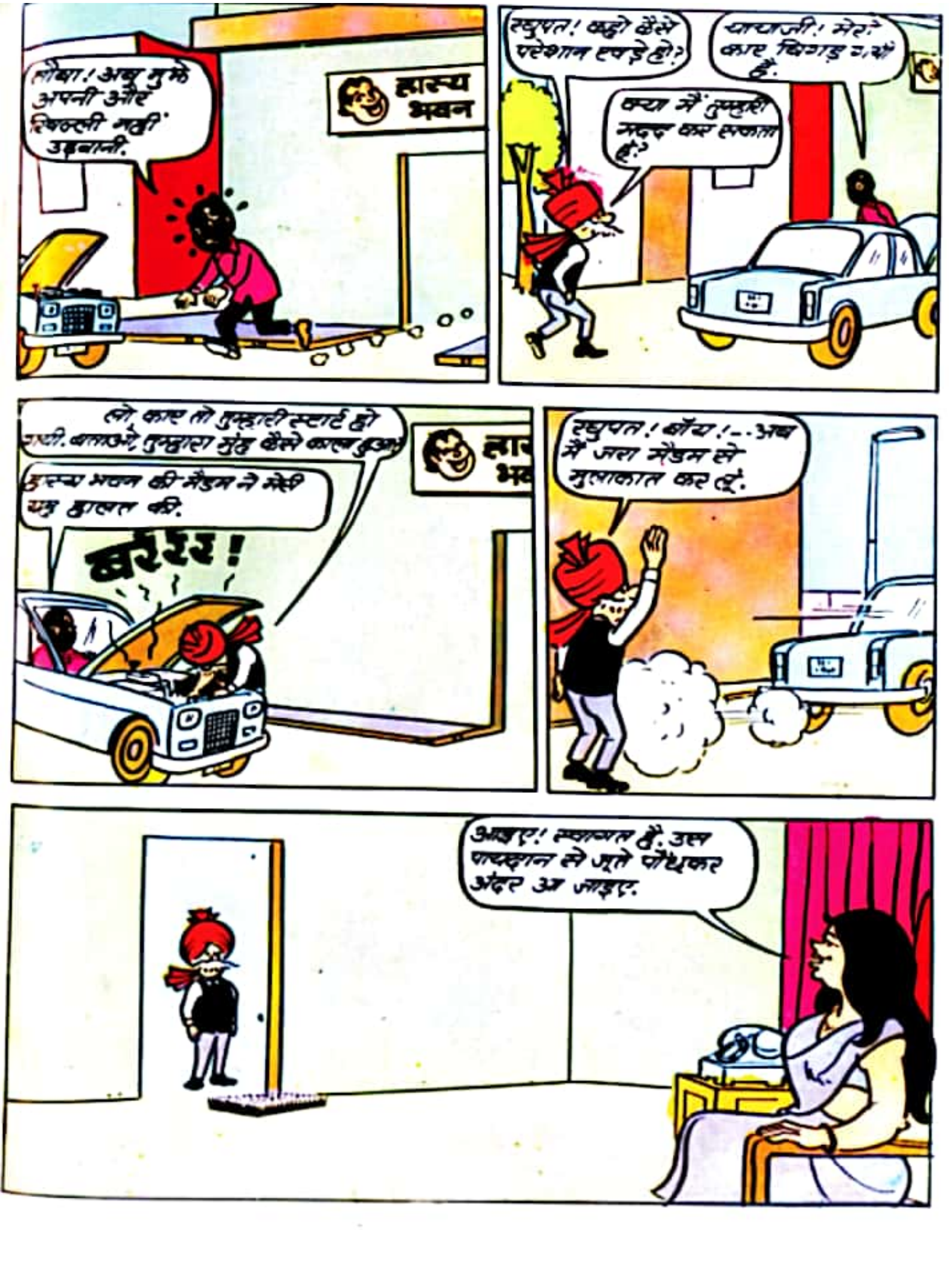

लोफा! अब मुझे अपनी और खिल्ली नहीं उड़वानी.
हास्य भवन
रघुपत! क्यों ऐसे परेशान खड़े हो?
चाचाजी! मेरी कार बिगड़ गई है.
क्या मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूं?
लो, कार तो तुम्हारी स्टार्ट हो गयी. बताओ, तुम्हारा मुंह कैसे काला हुआ?
हास्य भवन की मैडम ने मेरी यह हालत की.
घर्रर्र!
रघुपत! बॉय!.. अब मैं जरा मैडम से मुलाकात कर लूं.
आइए! स्वागत है. उस पायदान से जूते पोंछकर अंदर आ जाइए.

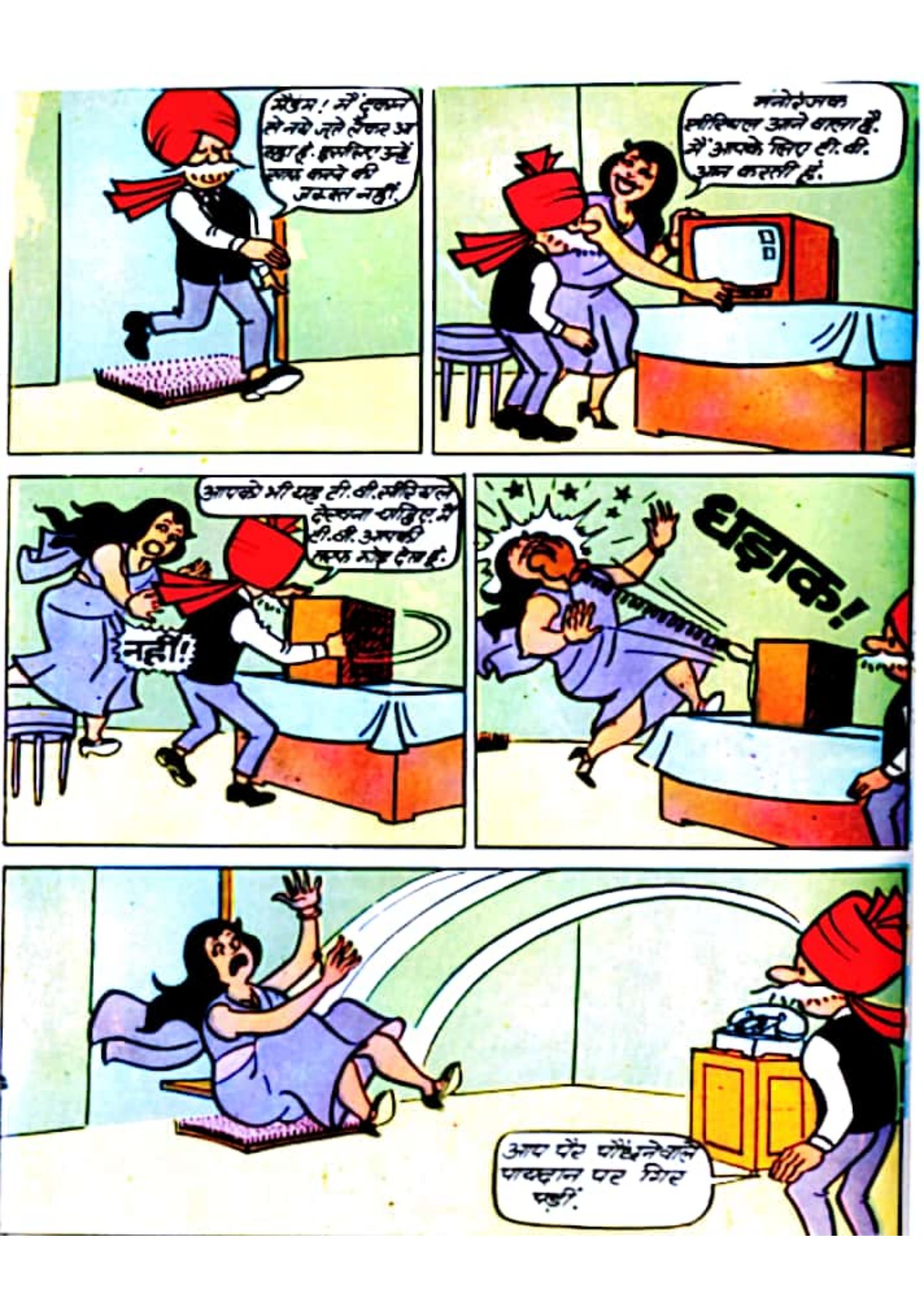

मैडम! मैं दुकान से नये जूते लेकर आ रहा हूं. इसलिए उन्हें साफ करने की जरूरत नहीं.
मनोरंजक सीरियल आने वाला है. मैं आपके लिए टी.वी. ऑन करती हूं.
आपको भी यह टी.वी. सीरियल देखना चाहिए. मैं टी.वी. आपकी तरफ मोड़ देता हूं.
नहीं!
धड़ाक!
आप पैर पोंछनेवाले पायदान पर गिर पड़ीं.

गटाक!
मैडम! आपका टेलीफोन!
ट्रिन! ट्रिन!
लीजिए, सुनिए!
आपको रोना शोभा नहीं देता क्योंकि आपके भवन का नाम कुछ और है.
बूह हू--!
अच्छा, अब मैं चलता हूं.
© PRAN'S FEATURES

धमाका
नं. 7. गड्ढा क्यों खोद रहे हो?
नं. 10! हमें इस मुल्क में दंगा-फसाद और मारकाट करने के लिए भेजा गया है...
...हम इस गड्ढे में बम गाड़ देंगे. जब किसी का पैर इस पर पड़ेगा तो उसके भार से यह बम फटेगा और उस व्यक्ति के चीथड़े उड़ जाएंगे.
लाओ. मैं इस बम को दबा दूं.
चलो चलें.

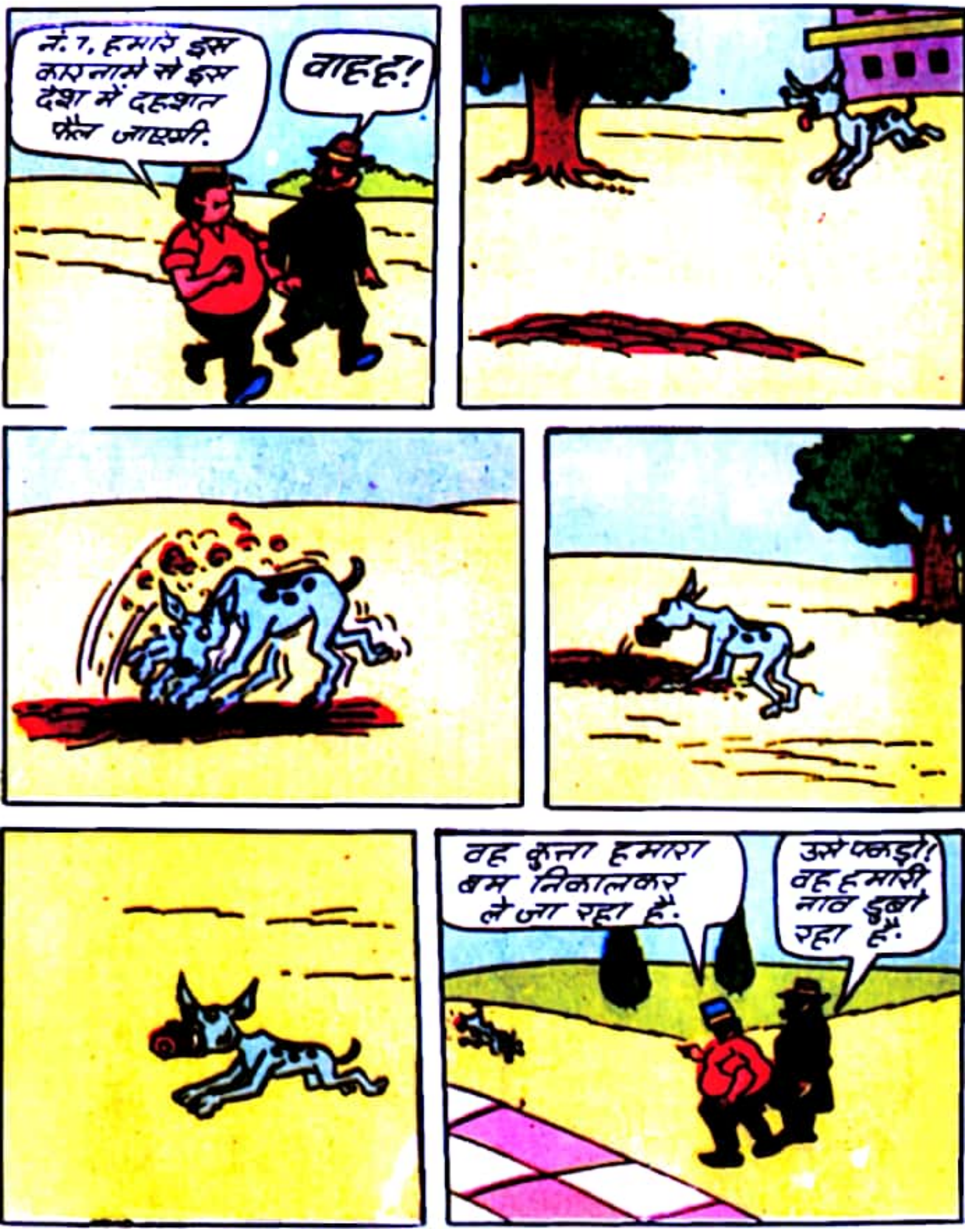
नं. 1, हमारे इस कारनामे से इस देश में दहशत फैल जाएगी.
वाह!
वह कुत्ता हमारा बम निकालकर ले जा रहा है.
उसे पकड़ो! वह हमारी नाव डुबा रहा है.

भागो! ये कुत्ता बचकर निकल न जाए.

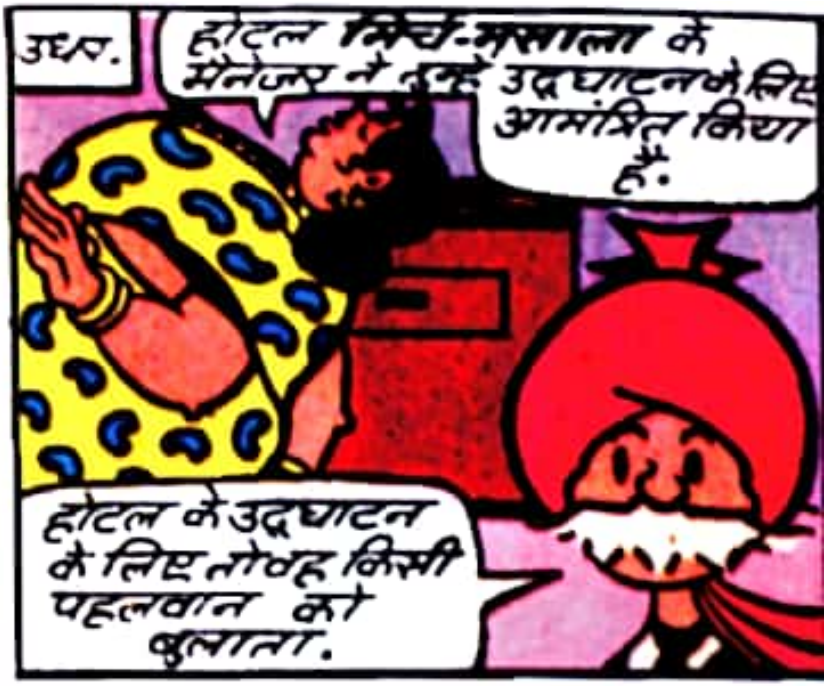
उधर.
होटल मिर्च-मसाला के मैनेजर ने तुम्हें उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया है.
होटल के उद्घाटन के लिए तो वह किसी पहलवान को बुलाता.

पहलवान उसका सारा खाना खा जाता और पैसे मांगने की मैनेजर की हिम्मत न पड़ती.

तभी..
देखो, रामेट के मुंह में क्या है?

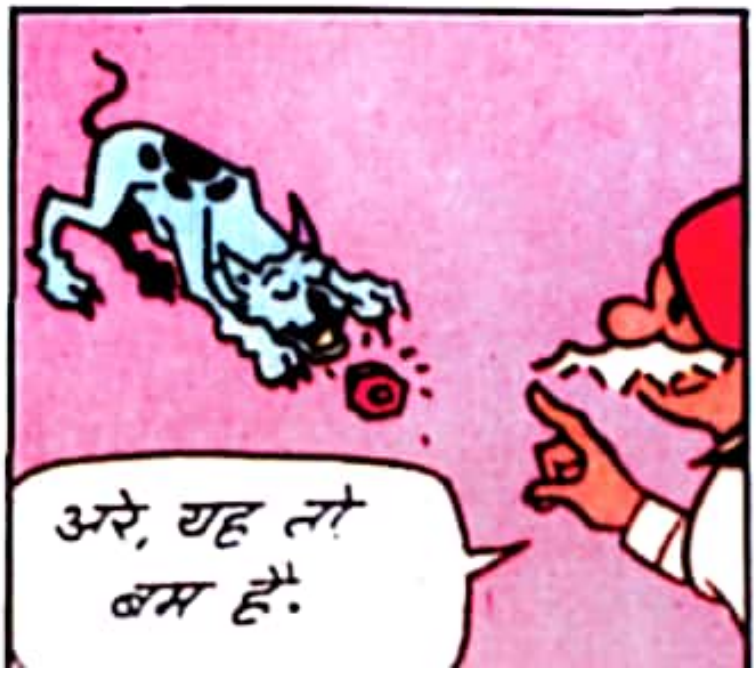
अरे, यह तो बम है.

बम डिस्पोजल स्क्वैड को बुलाना पड़ेगा.

अगर तुम इस झंझट में पड़ोगे तो होटल मिर्च मसाला पर इंतजार कर रहे लोगों को निराशा होगी.
तो?
इस बम को यहां छोड़ दो. होटल के कार्यक्रम के बाद हम पुलिस को बुला लेंगे.
ठीक है.
इसे सोफे के गद्दे के नीचे रख दिया है. यहां इसे कोई नहीं छुएगा.
चलो बीनी! चलें. राकेट भी आज हमारे साथ होटल का खाना खाएगा.
वो कुत्ता अपने मालिक के साथ बाहर जा रहा है.
आओ! अंदर जाकर अपना बम ढूंढें. वह घर में ही होगा.
जल्दी चलो. कहीं वे लोग वापस न आ जाएं.

आओ! सारा घर खोजना होगा.
यहां तो नहीं है.
मैंने भी सारा घर खोज मारा, मगर मुझे बम नहीं मिला.
सोफे पर बैठ ठंडे दिमाग से सोचना होगा.